श्री पोट्टी श्रीरामुलु

[स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया]

हाल ही में **आंध्र प्रदेश** के मुख्यमंत्री ने तेलुगू लोगों के लिये शहीद [श्री पोट्टी श्रीरामुलु] के बलिदान को याद करने के लिये उनके सम्मान में एक तेलुगू विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा की।

- श्री पोट्टी श्रीरामुलु को **मद्रास से तेलुगू भाषी राज्य** की वकालत करने में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका के लिये सम्मानित किया जाता है। **15 दिसंबर** को उनके बलिदान के कारण भारत में भाषायी राज्यों का निर्माण हुआ।
- **56 दिनों के उपवास** के बाद उनकी मृत्यु से व्यापक हिंसा हुई, जिसके कारण सरकार को **राज्य पुनर्गठन आयोग (दिसंबर 1953) का गठन करना पड़ा**, जिसके फलस्वरूप [अक्तूबर 1953 में आंध्र प्रदेश का निर्माण] हुआ।
- श्रीरामुलु ने **भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन** में भाग लिया और वर्ष **1930 के** [नमक सत्याग्रह] में भाग लेने के कारण जेल गए तथा [भारत छोड़ो आंदोलन] में भी भाग लिया।
- वह [महात्मा गांधी] के समर्पित अनुयायी और प्रबल समर्थक थे। वह **येरनेनी सुब्रह्मण्यम** द्वारा स्थापित **कोमारवोलू में गांधी आश्रम** में भी शामिल हुए।
- उन्होंने **नेल्लोर के मूलपेटा** स्थित **वेणु गोपाल स्वामी मंदिर** में **दलितों के प्रवेश के अधिकार के समर्थन** में अनशन किया, जिसे अंततः स्वीकार कर लिया गया।

//

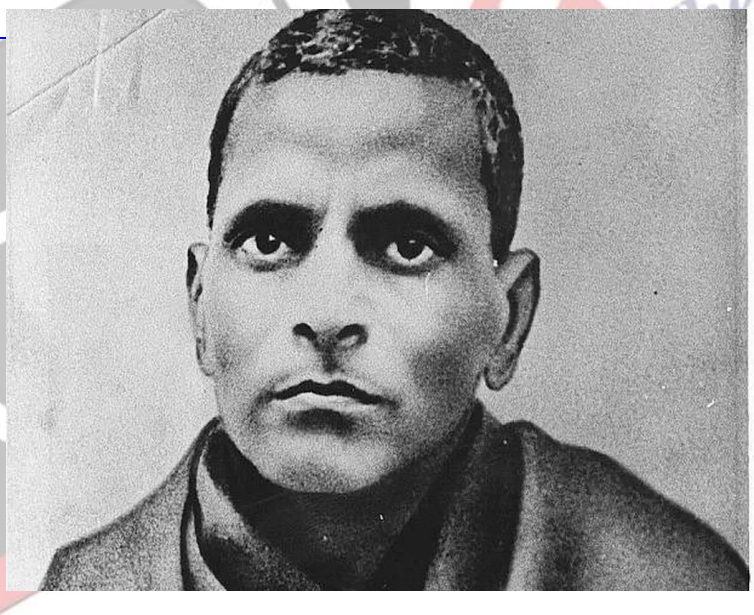

और पढ़ें: [राज्य का दर्जा की मांग]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sri-potti-sriramulu